Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding wildfire in Uttarakhand -laid.

श्री तीरथ सिंह रावत (गढ़वाल): मैं माननीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री जी का ध्यान उत्तराखण्ड के जंगलों में फैली आग से संबंधित विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ जहां पर आग ने विकराल रूप धारण किया हुआ है ।

पहाड़ में गर्मी बढ़ने के साथ ही जंगल आग से सुलग रहे हैं तथा पहाड़ से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक के तमाम जंगलों में आग धधक रही है, जिससे लाखों की वन सम्पदा को भारी नुकसान हो रहा है । गढ़वाल व कुमाऊं में कई जगह जंगल में फैली आग गाँव के नजदीक पहुँच रही है जिससे वहां के निवासी भयभीत है । वन विभाग के आंकड़ों पर ही गौर करें तो इस सीजन में अब तक जंगलों की आग की 491 घटनाएँ हो चुकी हैं जिसमें 676.835 हेक्टेयर जंगल तबाह हो चुका है । जहां गढ़वाल क्षेत्र में अब तक आग की 149 और वन्य जीव परिरक्षण क्षेत्र में 25 घटनाएँ सामने आई हैं वहीं कुमाऊं क्षेत्र में जंगल अधिक तेजी से सुलग रहे हैं और वहां पर आग की 317 घटनाएँ हो चुकी हैं ।

आग लगने के कारण जंगल से सटे शहरी क्षेत्रों में समूचा वातावरण धुएं से भरा हुआ है तथा सैंकड़ों हेक्टेयर क्षेत्र में किया गया वृक्षारोपण भी तबाह हो गया है साथ ही ग्रामीणों के सामने चारा-पत्ती का संकट भी उत्पन्न हो गया है तथा जंगली जानवरों एवं पेयजल स्रोतों को इसके कारण भारी नुकसान पहुंच रहा है ।

मेरा माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि उत्तराखण्ड के जंगलों को धधकती आग से बचाने के लिए अतिशीघ्र विशेष कार्ययोजना तैयार करने का कष्ट करें । साथ ही मेरा सुझाव है कि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु जंगलों में बड़ी संख्या में जल संचय हेतु तालाब खुदवाएं जाएं एवं निकटवर्ती जंगलात चौकी या गाँव में बड़े आग बुझाने वाले पाइप व इंजन रखवा दिए जाने चाहिए । तालाबों में वर्षा व प्राकृतिक जल स्रोतों का पानी इकट्ठा होगा जो आपात समय में आग बुझाने के काम आएगा ।